सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 213 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 12 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

किसी भी धर्म में किसी धर्म को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए दूसरों को मारना नहीं बताया गया।
-ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

दिल्ली दरबार के आगे कभी नहीं... 8 | लक्ष्मीकांत संभालेंगे झारखंड... 3 | डोना गांगुली के नृत्य से दर्शक... 7

ज्ञानवापी पर आगे बढ़ेगा केस, कोर्ट ने कहा, मामला सुनवाई योग्य

» वाराणसी कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका की खारिज, अगली सुनवाई 22 सितम्बर को

» हिंदू पक्ष ने श्रृंगार गौरी में पूजा के अधिकार को लेकर दाखिल की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी किसकी है? इसका जवाब तय करने के लिए ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस पर सुनवाई का रास्ता वाराणसी जिला अदालत ने आज तय कर दिया। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने दायर वाद की सुनवाई के हक में अपना फैसला सुनाया। उन्होंने श्रृंगार गौरी में पूजा के अधिकार की मांग को लेकर दायर याचिका को सुनवाई के योग्य माना है। मामले में अगली सुनवाई 22 सितम्बर को होगी।

कोर्ट ने कहा कि वाराणसी-ज्ञानवापी परिसर को लेकर दायर मुकदमा नंबर 693/2021 (18/2022) राखी सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मुकदमा न्यायालय में चलने योग्य है। यह निर्धारित करते हुए कोर्ट ने प्रतिवादी संख्या 4 अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के द्वारा दिए गए 7/11 के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। जज ने कहा, यह मुकदमा सुनने योग्य है। वहीं प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि वे इस मामले में कानूनी सलाह लेने के बाद कोई निर्णय लेंगे। गौरतलब है कि हिंदू पक्ष की ओर से ज्ञानवापी परिसर में स्थित श्रृंगार गौरी समेत अन्य धार्मिक स्थलों पर नियमित पूजा-अर्चना करने की अनुमति दिए जाने की मांग की गई थी। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कोर्ट में पोषणीय नहीं होने की दलील देते हुए इस केस को खारिज करने की मांग की थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 07 नियम 11 के तहत इस मामले में सुनवाई हो सकती है। जिला जज अजय कृष्ण विश्वेश ने जब फैसला सुनाया तब हिंदू पक्ष के वकील हरिशंकर जैन और विष्णु जैन मौजूद थे। इसके अलावा पांच वादी महिलाओं में से तीन लक्ष्मी देवी, रेखा आर्य और मंजू व्यास पहुंचीं। राखी सिंह और सीता साहू नहीं आई थीं। कोर्ट रूम में पक्षकारों और उनके वकीलों के कुल करीब 40 लोगों को ही प्रवेश मिला। कोर्ट रूम से 50 कदम दूर ही बाकी लोगों का प्रवेश दिया गया था। इसके पहले मसाजिद की ओर से सिविल प्रक्रिया संहिता आदेश 7 नियम 11 (मेरिट) के तहत केस खारिज करके लिए कई तिथियों पर दलीलें दी गईं थी। 24 अगस्त को दोनों पक्ष को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया था। इस दौरान वादी पक्ष की ओर से लिखित बहस भी दाखिल की गई है। मुस्लिम पक्ष ने कई विवरण व पत्रावली कोर्ट में दी हैं। बताते चलें कि इसके पूर्व हाई कोर्ट से मुस्लिम पक्ष की ओर से केस की मेरिट संबंधी याचिका खारिज हो चुकी है।

पुलिस अलर्ट

संवेदनशीलता को देखते हुए पूरे यूपी में पुलिस अलर्ट पर है। वहीं वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ने 11 सितम्बर की शाम से ही पूरे जिले में धारा-144 लागू कर दी थी। आज सुबह से ही वाराणसी के चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात रही।

क्या है मामला

18 अगस्त 2021 को विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जीतेंद्र सिंह के नेतृत्व में राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर के कोर्ट में एक मुकदमा दाखिल किया था। मुकदमे में पांचों महिलाओं ने मांग की थी कि ज्ञानवापी परिसर स्थित मां श्रृंगार गौरी के मंदिर में नियमित दर्शन-पूजन की अनुमति मिले। ज्ञानवापी परिषद में अन्य देवी देवताओं के विग्रह की सुरक्षा का मुकम्मल इंतजाम हो। इस याचिका पर 23 अगस्त की सुनवाई में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

वर्ल्ड डेयरी समिट का आगाज, पीएम मोदी बोले

डेयरी सेक्टर की ताकत हैं छोटे किसान

भारतीय मॉडल से सीख सकते गरीब देश

» आठ करोड़ से अधिक परिवारों को मिल रहा रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट एंड सेंटर में वर्ल्ड डेयरी समिट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पशुधन और दूध से जुड़े व्यवसाय भारत की हजारों वर्ष पुरानी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। हमारी इस विरासत ने भारत के डेयरी सेक्टर को कुछ विशेषताओं से सशक्त कर दिया है। विश्व के

अन्य विकसित देशों से अलग, भारत में डेयरी सेक्टर की असली ताकत छोटे किसान हैं। 2014 की तुलना में आज दूध के उत्पादन में 44 फीसदी बढ़ोतरी हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार डेयरी सेक्टर के सामर्थ्य को बढ़ाने के लिए निरंतर काम कर रही है। भारत में डेयरी सेक्टर से जुड़े अधिकांश किसानों के पास या तो एक, दो या तीन पशु हैं। इन्हीं छोटे किसानों के परिश्रम और उनके पशुधन की वजह से आज भारत पूरे विश्व में सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन करने वाला देश है। आज भारत के आठ करोड़ से ज्यादा परिवारों को यह सेक्टर रोजगार मुहैया कराता है। भारत का मॉडल विश्व के अनेक गरीब देशों के किसानों के लिए बेहतरीन बिजनेस मॉडल बन सकता है। वे इससे सीख ले सकते हैं।

कांग्रेस ने आरएसएस की जलती ड्रेस की तस्वीर पोस्ट की, भाजपा आगबबूला

» भारत जोड़ो यात्रा को बताया आग लगाओ यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा के छठवें दिन कांग्रेस की ओर से आरएसएस की जलती ड्रेस की तस्वीर ट्वीट की। इसे लेकर भाजपा आगबबूला हो गयी है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस की आग लगाने की पुरानी आदत रही है।

कांग्रेस ने ट्विटर पर तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा कि देश को नफरत के माहौल से मुक्त करने और आरएसएस-भाजपा द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई को पूरा करने के लक्ष्य की दिशा में हम एक-एक कदम बढ़ा रहे हैं। पोस्ट की गई तस्वीर में आरएसएस की ड्रेस में नीचे आग जलती

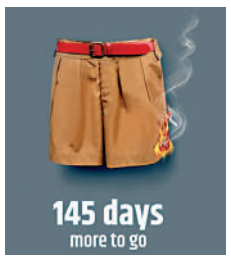

दिखाई दे रही है और धुआं भी उठ रहा है। इसके साथ ही तस्वीर पर लिखा है 145 days more to go। इस पर भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि कांग्रेस की आग ने 1984 में दिल्ली को जला दिया। राहुल के भारतीय राज्य के खिलाफ लड़ने के साथ कांग्रेस संविधान में विश्वास करने वाली पार्टी नहीं रह गई है। भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि यह भारत जोड़ो यात्रा नहीं बल्कि भारत तोड़ो और आग लगाओ यात्रा है।

पुलिस के हूटर से कांपने चाहिए अपराधी : सीएम योगी

» कोई नहीं है कानून से ऊपर, अपराधी है तो सजा मिलनी ही चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बागपत में विकास एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा में कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पश्चिमी यूपी में कानून-व्यवस्था सुधरी है। पुलिस गाड़ी के हूटर से भी अपराधियों में खौफ होना चाहिए। कानून से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने कर चोरी करने वालों पर कार्रवाई की हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा कर अधिकारियों को लक्ष्य पूर्ति की हिदायत दी। बीएसए कीर्ति द्वारा यूनिफार्म पहनकर आने वाले बच्चों का प्रतिशत, बालक-बालिका टायलेट ब्योरा नहीं देने पर मुख्यमंत्री ने नसीहत देते हुए कहा कि डाटा रखना चाहिए।

सीएमओ से बूस्टर डोज की जानकारी लेने के बाद सीएम बोले कि उन्हें रखे क्यों बैठे हो... जल्द निस्तारण कर बूस्टर डोज की नई डिमांड करिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस गश्त और खासकर पीआरवी-112 पुलिस गाड़ी गश्त बढ़ाएं। स्कूल जाने वाली बालिकाओं की सुरक्षा मजबूत की जाए ताकि छेड़छाड़ की घटना न घटे। आमजन, व्यापारियों और बालिकाओं की सुरक्षा करने तथा गोहत्या की घटनाएं रोकने को कहा। कर चोरी करने वालों को पहले समझाएं, नहीं माने तो कार्रवाई करें। सीएम ने बुढ़ेडा से हरसिया तक श्रमदान के जरिए 20 किमी नाला और 12 किमी लूंब नाला की खोदाई कराने व डौला के तालाब को अमृत सरोवर बनाने की प्रशंसा की। साथ ही अवैध कब्जे हटवाने और अमृत सरोवर, खेलकूद प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देने व गांवों एवं नगर निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम करने की हिदायत दी। डीएम राज कमल यादव ने यूपी-हरियाणा सीमा विवाद की समस्या उठाते हुए कहा कि बड़े पिलर लगाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने पूछा क्या यमुना को चैनेलाइज किया जा सकता है जिससे नहर की तर्ज पर पानी रहे। इस पर सांसद डा. सत्यपाल सिंह ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उनकी केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से बात हुई है, जिन्होंने बागपत में वाटरपोट बनवाने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा बागपत सीएचसी का निरीक्षण करने के साथ ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने यहां हेल्थ एटीएम का उद्घाटन किया। इस हेल्थ एटीएम से लगभग 52 तरह की जांच की जाएगी। मशीन से एटीएम की तरह मरीज की जांच रिपोर्ट निकलेगी।

सेल्फी विद सरकारी स्कूल से घबराई योगी सरकार : संजय सिंह

» यूपी प्रभारी ने सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पाटी के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया है कि आप के सेल्फी विद सरकारी स्कूल अभियान से योगी सरकार घबरा गई है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाना चाह रही है। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने ट्वीट कर कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार के दबाव में बेसिक शिक्षा अधिकारी जिलों में स्कूलों को आदेश जारी कर रहे हैं कि किसी भी व्यक्ति या समूह को स्कूल में प्रवेश न दिया जाए और ना ही स्कूल की स्थिति को देखने दिया जाए।

संजय सिंह ने कहा कि जिस तरह से योगी सरकार ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस तरह के आदेश पारित करने पर मजबूर किया है। इससे स्पष्ट है कि वह अपनी नाकामी और लापरवाही को छिपाना चाहते हैं। आप अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शकील मलिक ने मुस्लिम कुरैशी को हापुड़ जिला का प्रभारी और साजिद निसार सिद्दीकी को प्रदेश सचिव व झांसी मंडल का प्रभारी नियुक्त किया है। साथ ही प्रकोष्ठ के सात जिलाध्यक्षों की सूची भी जारी की है। नाजिम हसन को फर्रुखाबाद जिले का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष शकील मलिक ने बताया कि, प्रदेश में 50 जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जा चुके हैं।

अखिलेश की हालत ऐसी, जैसे जल बिन मछली : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम बोले, 2024 में मोदी को फिर मिलेगा जनता का आशीर्वाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सियासी गलियारों के बीच एक दूसरे पर तंज और बयानबाजी अभी थमने का नाम नहीं ले रही है। एक तरफ अखिलेश यादव तो दूसरी तरफ केशव प्रसाद मौर्य। दरअसल, हाल ही में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को बीजेपी के 100 विधायक तोड़कर लाने पर मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया था। इसे लेकर केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव में पराजित होने के कारण अखिलेश यादव की हालत ऐसी हो गई है, जैसे जल बिन मछली। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बांदा में नूतन बाल गणेश महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। उन्होंने अखिलेश यादव को लेकर कहा, वो लगातार हार से बौखला गए हैं, वो निराश, हताश और उदास हैं। वो मुझे क्या ऑफर देंगे मेरे साथ मेरी पार्टी, है मेरे नेता हैं। मेरे विधायक और कार्यकर्ता हैं। मेरी पार्टी जो मुझे बनाना चाहती थी वो मैं बना हुआ हूं। अखिलेश के बनाने से थोड़े ना मैं कुछ भी बन जाऊंगा। केशव मौर्य ने कहा, अखिलेश की ऐसी बयानबाजी समाज को गुमराह करने वाली है।

यह आखिरी चुनाव है नीतीश कुमार का: निरहुआ

» आजमगढ़ के सांसद ने नीतीश और अखिलेश यादव पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय के बाहर बिहार के सीएम नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के होर्डिंग्स पर अब प्रतिक्रिया भी आने लगी है। यह प्रतिक्रिया भी निरहुआ ने दी है, जिन्होंने आजमगढ़ की सीट अखिलेश यादव के हाथ से छीनी है। बीजेपी सांसद दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ एक भोजपुरी फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में अपने संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में थे। इसी दौरान उन्होंने बिहार में सुशासन बाबू के रूप में अपनी पहचान बनाने के जदयू के संस्थापक सदस्य नीतीश कुमार और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुटकी भी ली।

लखनऊ में लगे होर्डिंग्स के बाबत निरहुआ ने कहा कि इनकी जुगलबंदी पर तो कुछ कहने को ही नही है। इनके बारे में तो बस इतना ही कहा जा सकता है कि एक ओर उदई एक ओर भान, न इनके चुरकी न उनके कान। शूटिंग के समारोह में पहुंचे भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। कहा कि बिहार विधानसभा के चुनाव के दौरान मैं भी प्रचार करने गया था। मामला एनडीए का था। उस समय तो भाजपा के साथ जेडीयू का गठबंधन था। उस दौरान मैंने नीतीश जी के मुंह से यही सुना था कि नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। निरहुआ ने कहा कि उन्हें यह पता है अब, उनके दम पर कुछ होने वाला नहीं है। इसके बाद ही उन्होंने गीत के बोल सुनाए कि एक ओर उदई एक ओर भान, न इनके चुरकी एक न उनके कान। इनको यह लग रहा है कि यह भारत नहीं विश्व के सबसे बड़े नेता के खिलाफ षड्यंत्र रचकर कुछ कर लेंगे, तो इससे बड़ी इनकी कोई गलतफहमी नहीं हो सकती। निरहुआ ने कहा हाल ही में जो सर्वे आया है। वह सिर्फ भारत या उत्तर प्रदेश की बात नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की बात कर रहे हैं। पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिसे दुनिया ने माना है। अगर कोई आसमान की तरफ देखकर थूकता है, तो वह उसके ऊपर ही आता है।

भाजपा का 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज नगर निगम चुनाव को देखते हुए जनमानस से सीधा जुड़ाव बनाने में भाजपा जुट गई है। इसके लिए विभिन्न मोहल्लों में सार्वजनिक आयोजनों को बढ़ाया जा रहा है। उसमें आमजन को भी शामिल किया जा रहा है। इसी क्रम में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक संगठन की ओर से सेवा पखवाड़ा मनाने का निर्णय लिया गया है।

इसके तहत सभी वार्डों में स्वच्छता अभियान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कृतित्व और व्यक्तित्व को लेकर प्रदर्शनी आदि भी लगाई जाएगी। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने बताया कि 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक संगठन के सेवा पखवारा में जनहित के कार्य होंगे। लोगों से अधिक से अधिक संवाद की कोशिश की जाएगी। 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर लगेगा। 18 सितंबर को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सभी मंडलों में लगेगा। 19 को जिला स्तर पर मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी लगाई जाएगी। 20 सितंबर को प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 21 सितंबर को मंडल स्तर पर अमृत सरोवरों पर स्वच्छता अभियान चलेगा।

लक्ष्मीकांत संभालेंगे झारखंड का जिम्मा, 24 के लिए तैयार करेंगे पिच

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के हाथों में अब झारखंड की कमान

» लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से तैयार करेंगे चुनावी जमीन

» भाजपा ने बड़े पैमाने पर किया संगठनात्मक फेरबदल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव को धार देने के लिए भाजपा बड़े पैमाने पर संगठनात्मक फेरबदल कर रही है। दिग्गज नेता एवं राज्य सभा सदस्य डॉ लक्ष्मीकांत बाजपेई के चुनावी अनुभव को देखते हुए झारखंड का प्रभारी बनाया गया है जबकि मेरठ में रहते हुए उत्तर प्रदेश में सह-संगठन महामंत्री का दायित्व निभा चुके कर्मवीर भी झारखंड में डेरा डाले हुए हैं। भाजपा की राष्ट्रीय टीम ने एक बार फिर डॉक्टर लक्ष्मीकांत बाजपेयी पर भरोसा जताया है।

गत दिनों राज्य सभा में मुख्य सचेतक बनाने के बाद अब उन्हें ऐसे राज्य का प्रभारी बनाया गया है जहां कई प्रकार की चुनौतियां हैं। वर्ष 2012 में उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष रहते हुए डॉक्टर लक्ष्मीकांत बाजपेयी ने 14 में 12 नगर निगम में भाजपा को जीत दिलाई। नगर पालिका और नगर पंचायतों की 45 प्रतिशत सीटों पर भी कमल खिला। उनकी अगुवाई में वर्ष 2014 में लोक सभा चुनाव में प्रदेश की 80 में से 73 सीटें भाजपा के पाले में आयी। इसमें 365 विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। यह रिकॉर्ड अब तक नहीं टूटा। 2017 में विधान सभा चुनाव हारने के बाद डॉक्टर बाजपेई को राजनीति में हाशिये पर जाना पड़ा। 2019 के लोक सभा चुनाव में उन्हें खास भूमिका नहीं दी गयी। हालांकि वे जनता की लड़ाई लड़ते रहे। 2022 के विधान

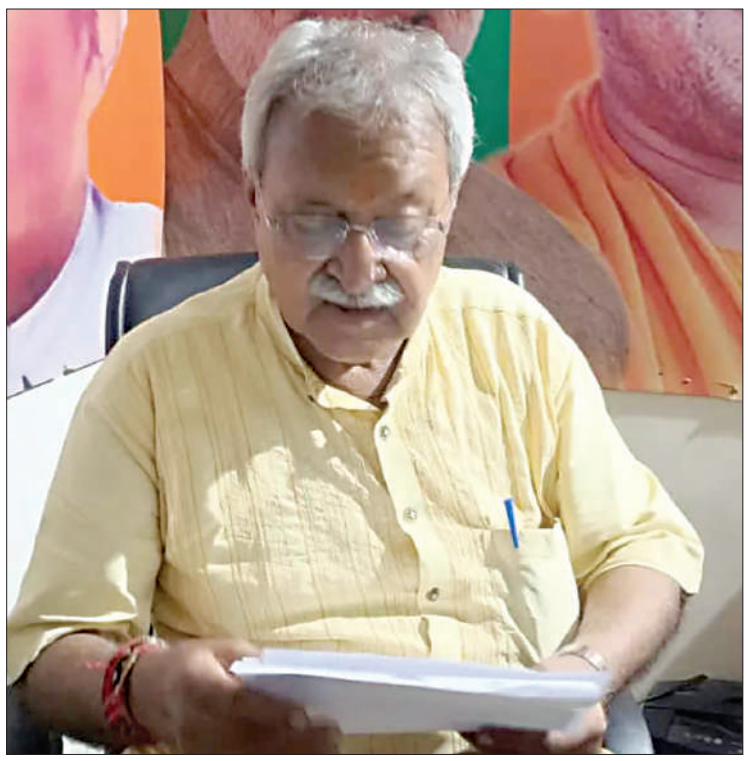

पार्टी ने लक्ष्मीकांत को दिया बड़ा तोहफा

लक्ष्मीकांत ने भाजपा में सपा के दिग्गज नेता मुलायम सिंह यादव के परिवार और रिश्तेदारों को पार्टी में शामिल करवाकर रणनीति को नई धार दी। पिछले दिनों उन्हें राज्य सभा सदस्य बनाकर पार्टी ने बड़ा तोहफा दिया। साथ ही उन्हें राज्य सभा में मुख्य सचेतक बनाकर एक अहम भूमिका भी दे दी गई। इस बहाने भाजपा ने आगामी चुनावों को देखते हुए बड़ा ब्राह्मण कार्ड खेला, जिसका असर कई स्तरों पर नजर आएगा। झारखंड में 2019 में 14 में से 11 लोक सभा सीटों पर भाजपा की जीत हुई थी लेकिन विधान सभा चुनाव में पार्टी को बड़ा प्रदर्शन करना होगा। गत दिनों राज्य में सियासी पारा चढ़ने के साथ भाजपा के सामने नए सिरे से चुनौतियां खड़ी हुई है। गत दिनों प्रदेश के सह संगठन मंत्री कर्मवीर को झारखंड का प्रदेश संगठन महामंत्री बनाया गया जबकि अब लंबा चुनावी अनुभव रखने वाले डॉक्टर लक्ष्मीकांत वाजपेई को मैदान में उतार दिया गया है। वह प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संगठन महामंत्री के साथ मिलकर भाजपा के लिए नए सिरे से चुनावी जमीन तैयार करेंगे।

झारखंड में दस से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य

2024 के लोक सभा चुनाव को देखते हुए भाजपा झारखंड से दस से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। कर्मवीर की अगुवाई में 2022 के विधान सभा चुनाव में पश्चिम यूपी और ब्रज में बड़ी सफलता मिली। इससे पहले जिला पंचायत अध्यक्ष बनवाने में भी अहम भूमिका निभाया था।

सभा चुनाव से पहले उन्हें प्रदेश की जॉइनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया।

झारखंड में दो साल बाद दो प्रमुख चुनाव

झारखंड में दो साल बाद लोक सभा और विधान सभा के चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा ने एक मजबूत और अनुभवी नेता को झारखंड की कमान सौंपी है। वाजपेयी हाल ही में संपन्न हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों में भी पार्टी के लिए काफी उपयोगी साबित हुए थे। झारखंड बिहार के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी भी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के ही रहने वाले हैं। भाजपा के नए प्रदेश महामंत्री कर्मवीर सिंह भी उत्तर प्रदेश से ही झारखंड भेजे गए हैं। लक्ष्मीकांत वाजपेयी के झारखंड प्रभारी बनने का प्रदेश भाजपा ने स्वागत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा कि इनके लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा। विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि उनके मार्गदर्शन में झारखंड भाजपा के समस्त कार्यकर्ताओं को एक नई ऊर्जा व दिशा मिलेगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। बिहार झारखंड के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भी इनके इस नए दायित्व के लिए शुभकामना दी है। उन्होंने कहा कि झारखंड भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को लक्ष्मीकांत वाजपेयी के आने से एक नई ऊर्जा मिलेगी।

प्रदेश में कुनबा बढ़ाने की तैयारी में जुटी आम आदमी पार्टी, निकाय चुनाव पर नजर

» ट्रिपल सी फार्मूले से मजबूत करेगी संगठन, शिक्षितों को जोड़ने पर फोकस

» स्क्रीनिंग कमेटी आवेदकों पर रख रही नजर, प्रत्याशी बनाने के पहले होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंजाब विधान सभा चुनाव में जीत के बाद अब आम आदमी पार्टी की नजर यूपी पर टिक गयी हैं। यहां वह अपना कुनबा बढ़ाने की तैयारी में जुट गयी है। इसके लिए उसने ट्रिपल सी फार्मूले पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके जरिए वह लोक सभा चुनाव से पहले निकाय चुनाव में अपना दम-खम आजमाएगी।

आम आदमी पार्टी तेजी से कुनबा बढ़ाने में जुटी हुई है। पार्टी इन दिनों अपने सभी प्रकोष्ठों का तेजी से विस्तार कर रही है और ट्रिपल सी फार्मूले के तहत अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने

में जुटी हुई है। ट्रिपल सी में कैरेक्टर, करप्शन और क्रिमिनल शामिल है यानी साफ-सुथरी छवि, भ्रष्टाचार का आरोप न हो और कोई आपराधिक रिकार्ड न हो उसे ही पार्टी में प्रवेश दिया जा रहा है। डॉक्टर, इंजीनियर व शिक्षक आदि पढ़े-लिखे लोगों को पार्टी से जोड़ने की कवायद चल रही है। आप के नगर निकाय चुनाव समिति के अध्यक्ष सभाजीत सिंह कहते हैं कि पार्टी संगठन में पदाधिकारी बनाने और चुनाव में प्रत्याशी बनाने से पहले स्क्रीनिंग कमेटी उस व्यक्ति के बारे में पूरी छानबीन करती है। आवेदन फार्म पर एक कालम इसका भी है कि कोई आपराधिक मुकदमा तो नहीं दर्ज है या भ्रष्टाचार आदि का आरोप तो नहीं है। आवेदन लेने के बाद पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी जिसमें संगठन के बड़े नेता, शिक्षाविद व अधिवक्ता शामिल हैं, वह जिला संगठन से संपर्क कर उसके बारे में पूरी छानबीन करते हैं। पार्टी के सभी प्रकोष्ठों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

संगठन को विस्तार देने में जुटी

यूपी में इस वर्ष के अंत में होने वाले नगर निकाय चुनाव में पार्टी पूरे दमखम के साथ उतरने की तैयारी कर रही है। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तर प्रदेश को आठ प्रांत में बांटकर संगठन विस्तार का काम तेज कर दिया है। सभी आठ प्रांत के अध्यक्ष, चार जोन के प्रभारी व तीन प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है।

बनाया जा रहा मोहल्ला प्रभारी

आप के यूपी प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने बताया कि अभी तक सात हजार वार्ड प्रभारी बनाए जा चुके हैं। तीन हजार वार्ड कमेटियों का गठन कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 25 से 30 घर पर एक मोहल्ला प्रभारी बनाया जा रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भारत-जापान के बीच सैन्य सहयोग के अर्थ

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक और विस्तारवादी नीति ने भारत-जापान को चिंतित कर दिया है। लिहाजा दोनों देशों के बीच सामरिक सहयोग भी तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते हुए। दोनों देशों ने मुक्त और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर जोर दिया। साथ ही दोनों देशो के बीच एयर कॉम्बेट एक्ससाइज पर भी मुहर लगी। सवाल यह है कि जापान और भारत के बीच एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज की जरूरत क्यों पड़ी? क्या दोनों देश इसके जरिए चीन को कूटनीतिक संदेश देना चाहते हैं? क्या इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर अंकुश लगेगा? शांति प्रिय जापान आखिर अपने सैन्य क्षमता को बढ़ाना क्यों चाहता है? क्या क्वाड देश में शामिल भारत-जापान का संयुक्त सैन्य अभ्यास एशिया में शक्ति संतुलन को स्थापित करने में मददगार साबित होगा? क्या भारत, जापान के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति पर काम कर रहा है?

भारत और जापान की दोस्ती लगातार प्रगाढ़ हो रही है। जापान अपनी सुरक्षा को लेकर अमेरिका पर निर्भर है लेकिन जब से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन ने अपनी दखलंदाजी बढ़ानी शुरू कर दी है, वह चिंतित हो गया। भारत भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सबके लिए खुला रखने की वकालत करता रहा है। चीन पर अंकुश लगाने के लिए ही क्वाड का गठन किया गया। इसमें भारत, आस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान शामिल हैं। ये देश इस क्षेत्र में चीन की आक्रामक हरकतों पर नजर रखे हुए हैं। वहीं पूर्वी लद्दाख में पिछले दो साल से ज्यादा वक्त से भारत और चीन में तनातनी चल रही है। हालांकि, कुछ इलाकों से दोनों देशों की सेनाएं वापस लौटी हैं लेकिन तनाव खत्म नहीं हुआ है। दूसरी तरफ चीन दक्षिण चीन सागर में भी आक्रामक रवैया बनाए हुए है। वह पड़ोसी ताइवान को धमका रहा है। इसके कारण जापान अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाना चाहता है ताकि ताइवान जलडमरूमध्य में यदि चीन कोई खुराफात करे तो उसका जवाब दे सके। इसके लिए उसने अपने रक्षा बजट में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। भारत-जापान की सेना पहले से ही नियमित तौर पर अभ्यास करती रही हैं। जापानी नेवी ने मार्च में विशाखापत्तनम में हुए बहुराष्ट्रीय मिलन नौसैनिक अभ्यास में भी हिस्सा लिया था। हालांकि दोनों देशों की एयर फोर्स के बीच यह पहली बार एयर कॉम्बैट एक्ससाइज होगी। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध न केवल मजबूत होंगे बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की विस्तारवादी नीति पर भी अंकुश लगेगा। वही जापान से सैन्य संबंध बढ़ने से चीन पर भारत को कूटनीति बढ़त मिलेगी।

सवाल यह है कि जापान और भारत के बीच एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज की जरूरत क्यों पड़ी? क्या दोनों देश इसके जरिए चीन को कूटनीतिक संदेश देना चाहते हैं? क्या इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर अंकुश लगेगा? शांति प्रिय जापान आखिर अपने सैन्य क्षमता को बढ़ाना क्यों चाहता है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीति व अर्थव्यवस्था में घुन है मुफ्तखोरी

अश्विनी महाजन

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से सरकारों का विकास, गरीबी निवारण, बेहतर सामाजिक सेवाएं, पेयजल, सड़क, रेल निर्माण आदि पर जोर रहा लेकिन अब कुछ सियासी दल मुफ्त बिजली, पानी, यातायात, टेलीविजन और यहां तक कि मंगलसूत्र तक देने के वादे करने लगे हैं। सरकार की खराब आर्थिक स्थिति और बढ़ते कर्ज के बावजूद उन वादों को पूरा करने के दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं। दिल्ली में बड़ी संख्या में प्रवासी भी रहते हैं, जो रोजगार के लिए दूसरे राज्यों से आकर दिल्ली में बसे हैं। दिल्ली में ऐसे प्रवासी मजदूरों की संख्या 20 लाख से कम नहीं है। जो मजदूर अपने परिवार को साथ लाते हैं, वे भी दयनीय अवस्था में रह रहे हैं। उनके परिवार के लिए स्कूल-कॉलेजों की जरूरत है। साथ ही, बेहतर जल-मल व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं तथा सड़कों, पुलों आदि की आवश्यकता है, लेकिन इन कार्यों के लिए भारी खर्च की जरूरत होती है।

खर्च के अभाव में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार विकास और रखरखाव के लिए भी धन नहीं जुटा पा रही है। 2015 में सत्ता संभालने के बाद से दिल्ली सरकार कोई नया स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, फ्लाईओवर आदि बना नहीं पायी। दिल्ली में प्रति व्यक्ति आय व राजस्व शेष भारत से काफी अधिक है और लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उस राजस्व को मुफ्त बिजली, पानी और यातायात में खर्च कर देने के कारण आवश्यक नागरिक सुविधाओं हेतु धन का अभाव होता जा रहा है। दिल्ली का कुल राजस्व 2021-22 के लिए 53070 करोड़ अनुमानित है, जो सभी राज्यों के राजस्व का तीन प्रतिशत है। बढ़ते राजस्व के साथ दिल्ली सरकार का मुफ्त बिजली, पानी, यातायात पर खर्च भी बढ़ता गया। मुफ्त बिजली पर खर्च 2015-16 में 1639 करोड़ था, जो 2021-22 में 2968 करोड़ पहुंच गया है। वर्ष 2022-23 के लिए विद्युत विभाग ने दिल्ली सरकार से बिजली सब्सिडी हेतु 3200 करोड़ रुपये की मांग की है। समझा जा सकता है कि दिल्ली सरकार द्वारा बिजली मुफ्त करने के नाम पर बजट पर बोझ बढ़ता जा रहा है। पानी के बिल को शून्य करने की कवायद में दिल्ली जल बोर्ड का घाटा और कर्ज दोनों बढ़ रहे हैं।

केजरीवाल सरकार के पहले तीन साल में बोर्ड का घाटा 2015-16 में 220.19 करोड़ से बढ़ता हुआ 2018-19 में 663 करोड़ तक पहुंच चुका था। दिल्ली सरकार ने पिछले पांच वर्षों में जल बोर्ड को 41000 करोड़ ऋण के रूप में दिये हैं। जल

बोर्ड की बदतर स्थिति का अंदाजा धीमे विकास कार्यों और लचर जल व्यवस्था से लगाया जा सकता है। विपक्षी दल जल बोर्ड में कथित भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाते रहे हैं। महिलाओं को दिल्ली परिवहन निगम की बसों में मुफ्त यात्रा एक अन्य मुफ्तखोरी वाली स्कीम है। सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त की स्कीमों से हजारों करोड़ का घाटा होता है। स्वाभाविक है कि सीमित संसाधनों के चलते इस मुफ्तखोरी की नीति से सरकारी राजस्व पर दबाव बनता है और कई आवश्यक खर्चों को टालना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को 20 नये कॉलेज देने, फ्री वाई-फाई उपलब्ध कराने, 20000 सार्वजनिक टॉयलेट बनवाने, महिला सुरक्षा फोर्स बनाने, तीन लाख सीसीटीवी कैमरे लगाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आठ लाख नौकरियों के सृजन, दिल्ली कौशल मिशन द्वारा हर साल एक लाख युवकों को कौशल प्रशिक्षण समेत 69 ऐसे वादे किये थे, जो या तो वादे रह गये या जिनमें प्रगति अत्यंत धीमी रही। इनको पूरा न कर पाने के पीछे मुख्य कारण धनाभाव है। गौरतलब है कि इस सरकार से पहले 1999-2000 और 2014-15 के बीच 15 सालों में पूंजीगत व्यय 510.5 करोड़ से बढ़ कर 7430 करोड़ हो गया (प्रति वर्ष वृद्धि 19.6 प्रतिशत रही), जो आप सरकार के पहले पांच साल में 7430 करोड़ से बढ़ कर मुश्किल से 11549 करोड़ ही पहुंची (वार्षिक वृद्धि मात्र 9.2 प्रतिशत रह गयी)। यदि कहा जाए कि सरकारी खजाने से पैसा देकर बिजली 'गरीबों' के लिए मुफ्त या कम कीमत पर उपलब्ध करायी जा रही है, तो यह सही नहीं होगा। वर्ष 2021-22 में दिल्ली में जहां चालू कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 4,01,982 रुपये प्रति वर्ष है, वहां 54.5 लाख बिजली उपभोक्ताओं में से 43.2 लाख लोगों को या तो मुफ्त या आधी कीमतों पर बिजली दी जा रही है। इससे नागरिक सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं और कर्ज बढ़ रहा है, तो उसे औचित्यपूर्ण नहीं ठहराया जा सकता। यही नहीं, 5.3 लाख घरों को प्रतिमाह 20 हजार लीटर पानी भी मुफ्त दिया जा रहा है। दिल्ली में मुफ्त बिजली, पानी के लालच से राजनीतिक लाभ उठाने वाली आम आदमी पार्टी ने अब दूसरे राज्यों में भी ऐसा लालच देना शुरू किया है। समझना होगा कि मुफ्तखोरी की यह राजनीति देश की अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के लिए अमंगलकारी है, जिसे आम सहमति से रोकने की जरूरत है।

यात्रा से हासिल और यक्ष प्रश्न

पुष्परंजन

भारत के जितने भी पड़ोसी देश हैं, सबसे लंबा बॉर्डर बांग्लादेश से हम साझा करते हैं। 4 हजार 96 किमी, जिसमें पश्चिम बंगाल का शेयर सर्वाधिक है, 2217 किलोमीटर। त्रिपुरा दूसरे नंबर पर है 856 किमी, तीसरे स्थान पर 443 किमी साझा करता मेघालय, असम 262 किमी और मिजोरम 180 किमी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बात से तपी हुई हैं कि उन्हें बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की यात्रा में पूछा तक नहीं गया। बाकी चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों को कभी इसकी परवाह नहीं रही। ममता की आलोचना को सरकार में उच्च पदस्थ बाबुओं ने खारिज कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र किसी अन्य राष्ट्र प्रमुख के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित नहीं करता है। ऐसा बयान देते समय अफसर अतीत की ओर झांकते नहीं।

ममता के गुस्से की वजह समझने के लिए 12 जुलाई, 2022 को शेख हसीना की ओर से भेजे उस संवाद को पढ़ना होगा, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री को पदमा ब्रिज को देखने के वास्ते आमंत्रित किया था। शेख हसीना ने ममता को यह भी लिखा था कि मैं सितंबर में भारत आ रही हूं, आपसे उस अवसर पर नई दिल्ली में मुलाकात होगी। इससे समझ जा सकता है कि जानबूझ कर बंगाल के सीएम को इससे दूर कर दिया गया। नवंबर, 2019 में शेख हसीना कोलकाता आई थीं तब उन्होंने ममता बनर्जी के साथ ईडन गार्डेन में इंडो-बांग्लादेश पिंक टेस्ट का आनंद लिया था। शेख हसीना ने पिछले महीने ही ममता बनर्जी के वास्ते आम भिजवाये थे। 5 जून, 2015 को ममता, प्रधानमंत्री मोदी के साथ बांग्लादेश गई थीं। तब ढाका-कोलकाता-अगरतला बस सर्विस को हरी झंडी दिखाने में दोनों शासन प्रमुखों के साथ उन्होंने भी शिरकत की थी। शेख़ हसीना ने 6 सितंबर को बांग्लादेश हाई कमीशन में पत्रकारों से इस बात पर अफसोस प्रकट किया कि इस बार की भारत यात्रा में वह ममता से नहीं मिल पा रही हैं।

इस तरह की कड़वाहट से नुकसान उभयपक्षीय कूटनीति को होता है। बंगाल नहीं चाहेगा तो तिस्ता समझौता कभी लागू नहीं हो सकता, यह भी एक सच है। शेख हसीना ने कहा भी, 'तिस्ता समझौते का इंतजार पिछले 11 वर्षों से हो रहा है।' 2011 में तिस्ता नदी के जल के उपयोग की रूपरेखा दोनों देशों ने तैयार कर ली थी मगर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की असहमति की वजह से इस पर हस्ताक्षर नहीं हो पाया। बांग्लादेश और भारत के बीच 54 छोटी-बड़ी नदियां हैं, जिनके जल का उपयोग दोनों देश करते हैं। दोनों देशों ने 1996 में गंगा नदी के जल को शेयर करने संबंधी समझौते किये थे। उसके 27 साल बाद कुशियारा समझौता हुआ है। इस समझौते की बिना पर भारत 153 क्यूसेक पानी छोड़ेगा, जिससे उत्तर-पूर्वी बांग्लादेश के सिलहट क्षेत्र की 5 हजार एकड़ भूमि की सिंचाई हो सकेगी। 161 किमी लंबी कुशियारा, बराक नदी की एक शाखा है। सूरमा नदी में समाहित होकर यह मेघना बन जाती है।

भारत-बांग्लादेश के बीच जल कूटनीति ढीली चल रही है। अगस्त, 2019 में ढाका में 'ज्वाइंट रीवर कमीशन' की बैठक हुई थी, जिसमें सात नदियों मनु, मुहोरी, खोवाई, गुमती, धरिया, दूधकुमार और फेनी की धाराओं के साझा इस्तेमाल पर पहले से चल रही बातचीत बेनतीजा रही। इसके प्रकारांतर भारत-बांग्लादेश संयुक्त नदी आयोग 'जेआरसी' की 38वीं मंत्रिस्तरीय बैठक 25 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में हुई थी। बैठक 12 साल बाद आयोजित हुई है। इस तरह की बैठक को सुस्त चाल का प्रतीक नहीं तो क्या मानेंगे? ऐसी कछुआ चाल कूटनीति के बीच कुशियारा जल समझौते को बांग्लादेश एक उपलब्धि मानता है। बांग्लादेश के पूर्व विदेश सचिव तौहिद हुसैन ने इस पर निराशा व्यक्त की कि तिस्ता पर कोई बातचीत आगे नहीं बढ़ी। बांग्लादेश को थर्ड कंट्री फ्री ट्रांजिट वीजा देने की बात से वहां का उद्योग जगत यात्रा की सकारात्मक उपलब्धि बता रहा है। इस सुविधा से बांग्लादेश, जल-थल-वायु मार्ग के जरिये अपने कारोबार को बढ़ा सकेगा। इसके अलावा पांच और समझौते आईटी, ऊर्जा, विज्ञान व तकनीक, पब्लिक टीवी ब्रॉडकास्ट, बांग्लादेश के न्यायिक सेवा अधिकारियों को ट्रेनिंग प्रोग्राम में सहयोग देने को लेकर हुए हैं। इस समय बांग्लादेश में दो-तीन बातों को लेकर नाखुशी है। पहला, तिस्ता समझौते को लटकाये रखने का मामला, दूसरा रोहिंग्या शरणार्थियों की म्यांमार वापसी के सवाल पर भारत की चुप्पी, तीसरा है गोड्डा से बिजली सप्लाई में देरी और उसका रेट। शेख हसीना ने कहा भी कि भारत एक विशाल देश है, वहां शरणार्थियों का सैलाब वैसे भी खप जाता है। मगर, हमारा देश 11 लाख रोहिंग्या शरणार्थियों को सहने की हालत में नहीं है। ममता बनर्जी को शेख हसीना से मिलने का अवसर देना न देना केंद्र सरकार को तय करना था। मगर, बिजनेस टायकून गौतम अडानी से शेख हसीना की मुलाकात में कोई बाधा नहीं थी। अडानी ने ऐलान किया है कि वे 16 दिसंबर, 2022 को 'बिजोय दिबस' के अवसर पर बांग्लादेश को गोड्डा पॉवर प्लांट से बिजली सप्लाई जरूर कर देंगे। मगर, जो बात बांग्लादेश में जेरे बहस है, वह ये कि गोड्डा पावर प्लांट से सस्ती बिजली नहीं मिलने जा रही। अडानी की बिजली बाकी निर्यातकों से 52.2 फीसद महंगी होगी, ऐसी जानकारी बीडब्ल्यूजीईडी और ग्रोथवॉच जैसी संस्थाओं ने अपनी साझा रिपोर्ट में दी है।

पितृपक्ष : कौओं को माना जाता है पितर

सनातन परम्पराओं में पितृपक्ष का महत्व सबसे अधिक है। मान्यता है कि पितृपक्ष की इन 15-16 दिनों की अवधि में पितर धरती पर आते हैं और अपने परिजनों के साथ समय बिताते हैं। साथ ही जाते समय उन्हें आशीर्वाद देते हैं। पितृपक्ष का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इस दौरान किए गए कर्म-कांड से पितरों के आत्मा की शांति को प्राप्त होती है। इस वर्ष श्राद्ध पक्ष 10 सितंबर 2022 से शुरू हो रहा है और इसका समापन 25 सितंबर को होगा। मान्यता है कि इस अवधि में तर्पण, पिंडदान, नदी में स्नान, दान आदि करने से बहुत लाभ होता है। लेकिन पितृपक्ष में पूर्वजों के लिए बनाए गए भोजन को कौए को दान करने की पौराणिक परम्परा है। इसके साथ शास्त्रों में इसका भी वर्णन मिलता है कि कौए ही पितर के रूप में धरती पर आते हैं। ऐसा क्यों? आइए जानते हैं।

पितृपक्ष में कौओं का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृपक्ष की अवधि में पूर्वज कौए के रूप में धरती पर विचरण करते हैं और अपने पूर्वजों से मिलने आते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शास्त्रों में इस बात का वर्णन मिलता है कि देवताओं के साथ-साथ कौए ने भी अमृत चख लिया था। जिसके बाद यह मान्यता प्रचलित है कि इस पक्षी की मृत्यु कभी भी प्राकृतिक रूप से नहीं होती है। साथ ही ऐसा भी माना जाता है कि कौए को भविष्य में होने वाली घटनाओं का थोड़ा-थोड़ा आभास हो जाता है। साथ ही कौआ बिना थके लम्बी यात्रा तय कर सकता है और इसे अतिथि के

आगमन का सूचक भी माना जाता है। इन्हीं विशेष कारणों की वजह से किसी की भी आत्मा कौए के शरीर में वास कर के विचरण कर सकती है और यही कारण है कि पितृपक्ष में कौओं को भोजन कराया जाता है।

पितृपक्ष का महत्व

शास्त्रों के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उनका श्राद्ध किया जाना अनिवार्य होता है। मान्यता है कि तर्पण अथवा पिंडदान जैसे कर्म करने से पितर या पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसा भी माना जाता है कि जो लोग पितृपक्ष में तर्पण नहीं करते हैं तो उनके पूर्वजों की आत्मा इधर-उधर भटकती रहती है और उन्हें मृत्युलोक से मुक्ति नहीं मिल पाती है।

कब किन-किन पितरों का करना चाहिए श्राद्ध

- शास्त्रों के अनुसार, प्रतिपदा तिथि को नाना-नानी का श्राद्ध करना शुभ माना जाता है। इस दिन श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है।
- जो लोग अविवाहित होते हैं और उनकी मृत्यु हो गई है, तो उनका श्राद्ध पंचमी तिथि के दिन करना चाहिए।
- सौभाग्यवती यानि पति के रहते हुए जिस महिला की मृत्यु हो गई हो, तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि को करना शुभ होगा।
- परिवार के जिस व्यक्ति की मृत्यु शस्त्र, आत्महत्या, विष और दुर्घटना यानी अकाल हुई हो, तो उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि के दिन किया जाता है।
- अगर किसी बच्चे की अकाल मृत्यु हुआ है, तो उसका श्राद्ध कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को करने के लिए कहा गया है।
- जिन पितरों की देहांत की तिथि याद न तो उनका श्राद्ध सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या तिथि के दिन कितना शुभ होगा।
- शास्त्रों के अनुसार, किसी कारण से पितृपक्ष की अन्य तिथियों पर पितरों का श्राद्ध करने से चूक गए हैं तो इस तिथि पर सभी पितरों का श्राद्ध किया जा सकता है। इस दिन हर किसी का श्राद्ध करना उचित माना जाता है।
- एकादशी और द्वादशी तिथि को वैष्णव संन्यासी का श्राद्ध करते हैं। अर्थात् इस दिन सन्यासी लोगों का श्राद्ध करना शुभ माना जाता है।

हंसना मना है

टीचर- बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन-सा होता है? मिंटू- किताब है सर, खोलते ही नींद आ जाती है...!!

लड़का- यार तुम लड़कियां इतनी सुंदर कैसे होती हो? लड़की- दरअसल, भगवान ने हमें अपने हाथों से बनाया था. लड़का- अरे, जैसे हमें तो नेट से डाउनलोड किया है।

बाबा घंटू- नंबर वाला चश्मा... उतारने का घरेलू उपाय... पहले दायें हाथ में दायी डंडी पकड़े फिर बायें हाथ में बायी डंडी पकड़े धीरे से चश्मा आगे की तरफ खींचे चश्मा उतर जायेगा।

पिताजी- बेटा, मेरे लिए 1 गिलास पानी लाना, पहला लड़का- नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का- रहने दो पापा, ये तो है ही बद्तमी? आप खुद ले लो और मेरे लिए भी 1 गिलास ले आना।

पुलिस- दरवाजा खटखटाते हुए....दरवाजा खोलो हम पुलिस हैं... पप्पू- क्यों खोलूं पुलिस- क्योंकि हमें कुछ बात करनी है... पप्पू- तुम कितने लोग हो... पुलिस- हम तीन हैं... पप्पू- तो आपस में बात कर लो न...मेरे पास टाइम नहीं है।

टीचर- शाहजहां कौन था? सोनू- वह एक मजदूर था। टीचर- कैसे? सोनू- आपने ही तो कहा था कि शाहजहां ने कई इमारतों का निर्माण किया था।

कहानी

कौन है सबसे ताकतवर

एक छोटे से शहर में एक किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। उनके पास बहुत थोड़ी सी जमीन थी। वे उस पर खेती करके फसल को बाजार में बेचते थे। इससे उन्हें थोड़े-से पैसे मिलते थे। एक बार वे दोनों दीपावली पर घर की सफाई कर रहे थे। तभी उनको लकड़ी के एक पुराने डिब्बे के पीछे से चांदी का एक सिक्का मिला। वे दोनों बहुत खुश हुए। उन्होंने उससे अच्छे बीज और खाद खरीदी। इस बार उनके यहां बहुत अच्छी फसल हुई। अगली दीपावली पर वे फिर सफाई कर रहे थे। तब उन्हें एक और चांदी का सिक्का मिला। इस बार उन्होंने दो बैल खरीदे, जिससे की खेत जोतने में आसानी हो। बैलों के साथ काम जल्दी और अच्छा हो जाता था। इस बार फसल पहले से भी ज्यादा अच्छी हुई। अब उनके पास काफी पैसे हो गए थे। दीपावली फिर आई। एक बार फिर सफाई करते समय उनको चांदी का एक सिक्का मिला। इस बार उन्होंने तय किया की एक बकरी खरीदी जाए। सिक्के से उन्होंने एक अच्छी-सी बकरी खरीदी जो कि बढ़िया दूध देती थी। अब वे खुश-खुशी रहते थे। खेती अच्छी होती थी। धीरे-धीरे उन्होंने कुछ और जमीन भी खरीद ली थी। उनके पास बैल थे खेत जोतने के लिए। अब बकरी भी थी जो दूध देती थी। दीपावली फिर आई। सफाई करते समय एक बार फिर उन्हें चांदी का एक और सिक्का मिला। इस बार उन्होंने उस सिक्के से एक बिल्ली खरीदी। एक सुंदर-सी सफेद बिल्ली। किसान की पत्नी बिल्ली को बहुत प्यार करती थी और रोज उसे दूध पिलाती थी। बिल्ली झट-से सारा दूध पी जाती थी। इसी तरह एक साल निकल गया। दीपावली फिर से आ गई। एक बार फिर उन दोनों ने सफाई की और उन्हें फिर से मिला चाँदी का एक सिक्का। उनके पास अब बहुत से पैसे थे। किसी चीज की कोई कमी नहीं नहीं थी। उनका एक सुंदर घर था, उनके पास बैल थे, एक बकरी थी, एक सुंदर बिल्ली भी थी। उन्होंने निश्चय किया किया कि इस सिक्के से वे अपने घर के बगीचे में कांच का एक पुल बनाएँगे। इससे उनका घर और भी सुंदर दिखाई देगा। उन्होंने कांच का एक छोटा-सा पल अपने घर के आगे बनवाया। अब वे ये देखना चाहते थे की पुल मजबूत है या नहीं। इसलिए उन्होंने खुद पुल पर च?ने से पहले बाकी सबको पुल के ऊपर से जाने को कहा। पहले बैल चढ़ा, पुल नहीं टूटा। फिर बकरी पुल के ऊपर से गई। पुल नहीं टूटा। लेकिन जैसे ही बिल्ली पुल चढ़ी, पुल टूट गया। पता है क्यों? क्योंकि वह रोज खुशी-खुशी दूध पीती थी और जो रोज दूध पीते हैं, वो सबसे ज्यादा ताकतवर होते हैं-सबसे ज्यादा मजबूत!

6 अंतर खोजें

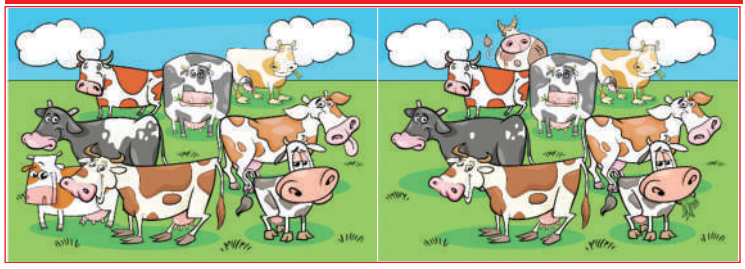

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बाहर घूमना-फिरना, पार्टी और मौज-मस्ती आपको अच्छे मूड में रखेंगे। नए दोस्त बनेंगे लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाजी में निर्णय न लें।

वृषभ

आज आपका दिन फेयरवेल रहेगा। किसी सामाजिक संगठन या किसी एनजीओ से जुड़ने का अवसर मिलेगा। घर में आज बरक्कत होगी। मन शांत रहेगा. काम में मन लगेगा।

मिथुन

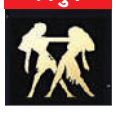

आज अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। कार्य क्षेत्र में लाभ होगा। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएं तो उन्हें नजरअंदाज न करें।

कर्क

हर कोई आपसे दोस्ती करना चाहता है और आप उनकी ये इच्छा पूरी करने में खुशी महसूस करेंगे। आज वे कपड़े न पहनें जो आपके प्रिय को पसंद न हों।

सिंह

ऑफिस में किसी बड़े काम की जिम्मेदारी आपके कंधे पर आ सकती है, लेकिन किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें। धैर्य से आगे बढ़ने की जरूरत है।

कन्या

परेशानियों को पीछे छोड़ कर अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करना चाहेंगे। आज आपका काम किसी ऐसी दिशा में जाता हुआ प्रतीत होगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं था।

तुला

आप दूसरों पर ज्यादा खर्चा कर सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। खराब दौर हमें बहुत-कुछ देता है। दोस्तों से अपने को दूर रखे तो आपका ही हित होगा।

वृश्चिक

दिन अच्छे से बीतेगा। जीवनसाथी और बच्चों से आपको बहुत सारा प्यार मिलेगा। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग भी मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा।

धनु

आपका व्यवहार न्यायपूर्ण रहेगा। निर्धारित किए गए कार्य को करने की प्रेरणा मिलेगी। क्योंकि उन्हें वह शोहरत और पहचान मिलेगी, जिसकी उन्हें लम्बे समय से तलाश थी।

मकर

कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप मुश्किल में पड़ सकते हैं। खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है।

कुम्भ

कार्यों में रुचि लेंगे। जीवनसाथी के साथ क्वालिटी टाइम बितायेंगे। आपका आत्मविश्वास पहले की अपेक्षा मजबूत रहेगा, जिसके दम पर आप कुछ भी हासिल करने में सफल होंगे।

मीन

आज आपको पूर्व में की गई मेहनत का फल मिलेगा। परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। टेंशन कम से कम लें।

हनी सिंह और शालिनी का तलाक

पंजाबी सिंगर यो यो हनी सिंह और पत्नी शालिनी तलवार का तलाक हो गया है। दिल्ली के साकेत डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैमिली कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की है। हनी सिंह ने एलिमनी के तौर पर एक करोड़ रुपए का चेक सील्ड लिफाफे में शालिनी तलवार को दिया है। कोर्ट में गुरुवार को यो यो हनी सिंह और शालिनी तलवार के बीच काउंटर-एलिगेशन के बाद मामला सेटल हुआ, जिसके बाद दोनों के बीच एक करोड़ की एलिमनी पर समझौता हुआ है।

बताया जा रहा है कि इस मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च 2023 को होगी, जिसमें अगले प्रस्ताव पर सुनवाई की जाएगी। शालिनी तलवार ने पिछले साल तीन अगस्त को तीस हजारी कोर्ट में हिरदेश सिंह यानी की हनी सिंह के खिलाफ डॉमेस्टिक वायलेंस के लिए याचिका दायर की थी। उन्होंने हनी सिंह पर असॉल्ट

करने के आरोप लगाए थे। शालिनी ने कहा था कि उन्होंने इस शादी को 10 साल दिए और बदले में उन्हें सिर्फ फिजिकली और मेंटली टॉर्चर किया। शालिनी तलवार ने सिंगर पर यह भी आरोप लगाए कि वो इंटरनेशनल टूर पर जाने के बहाने से दूसरी महिलाओं के साथ अवैध शारीरिक संबंध बनाते हैं। शालिनी ने कहा कि उनके पति ने उनके साथ जानवरों जैसा बर्ताव किया और अब वह हनी सिंह से अलग होना चाहती हैं।

शालिनी ने याचिका दायर करते हुए दस करोड़ रुपए की एलमिनी की भी मांग की थी। हनी सिंह ने शालिनी तलवार को 17 साल तक डेट करने के बाद 23 जनवरी 2011 को शादी की थी। दोनों एक-दूसरे को बचपन से जानते थे और एक ही स्कूल में पड़े थे। अब उनकी पत्नी ने शादी के 10 साल बाद हनी सिंह के खिलाफ डॉमेस्टिक वायलेंस का केस फाइल किया था। शालिनी के आरोप लगाने के बाद हनी सिंह ने 6 अगस्त को सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने इन सारे आरोपों से इंकार किया था। हनी सिंह ने नोट में लिखा था कि यह बड़े दुख की बात है कि मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की वजह से मैं बहुत परेशान हूं। मेरे खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निंदनीय हैं और बस मुझे परेशान करने के लिए ऐसा किया गया है।

सोनू सूद को फैन ने दी अपने खून से बनाकर पेंटिंग

सोनू सूद जो कोविड के दौरान गरीबों और जरूरतमंद लोगों के मसीहा बनकर आए, वह आज भी सबकी मदद कर रहे हैं। सोनू के घर के बाहर हमेशा लगों की भीड़ रहती है जो सोनू ने किसी न किसी चीज के लिए मदद मांगने आते हैं। वहीं सोनू की दरियादिली की वजह से फैंस उन्हें अब और भी ज्यादा प्यार करते हैं। अब हाल ही में एक फैन उनसे मिलने आया और उनके लिए ऐसा गिफ्ट लेकर आया कि सोनू भी हैरान रह गए। दरअसल, वह फैन सोनू के लिए एक पेंटिंग बनाकर लाया, लेकिन वह पेंटिंग आम नहीं थी। उसे फैन ने अपने खून से बनाया था। इसके साथ ही जब वह सोनू से मिला तो उसने कहा कि वह सोनू के लिए अपनी जान भी दे

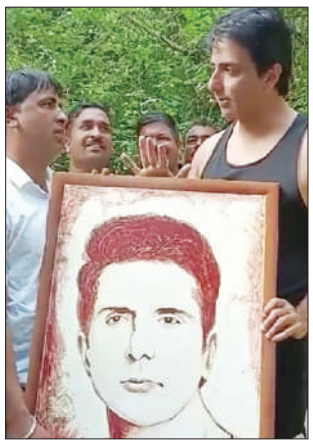

सकता है। हालांकि सोनू ने उस शख्स और बाकी फैंस को भी एक मैसेज दिया कि ऐसा करने की बजाय वह खून डोनेट करें। दरअसल, सोनू ने ट्विटर पर एक वीडियो को रीट्वीट किया जिसमे वह फैन से मिल रहे हैं। सोनू वीडियो में कहते हैं कि यह एक टैलेंटेड आर्टिस्ट हैं। भाई साहब ने मेरी पेंटिंग बनाई है। तभी फैन बीच में बोलता है खून से। तभी सोनू कहते हैं कि यही आपने गलत किया कि आपने इसे खून से बनाया। फैन कहता है कि मैं आपके लिए अपनी जिंदगी कुर्बान कर दूंगा। इसके बाद सोनू कहते हैं, मैं समझ सकता हूं आपकी फीलिंग्स, लेकिन खून से ही क्यों। इससे अच्छा आप डोनेट करें खून को। सोनू फिर वीडियो के एंड में सभी से रिक्वेस्ट करते हैं कि इस आर्टिस्ट को सपोर्ट करें और उनकी दुआएं हमेशा उनके साथ हैं। सोनू की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह लास्ट फिल्म पृथ्वीराज में नजर आए थे।

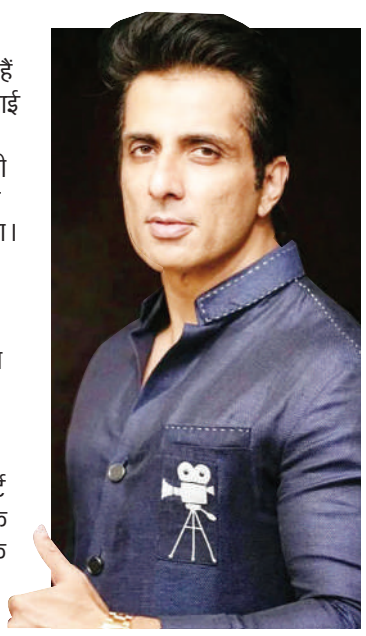

बॉलीवुड | मन की बात

झूठ बेचते हैं करण, अच्छी फिल्म नहीं बना सकते

अरणबीर कपूर स्टारर ब्रह्मास्त्र रिलीज हो गई है। इस फिल्म को लेकर ऑडियंस और क्रिटिक्स का मिला-जुला रिस्पॉन्स आया है। अब फिल्म को लेकर कंगना रनोट का रिएक्शन सामने आया है। कंगना ने ब्रह्मास्त्र को दिए गए निगेटिव रिव्यू का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, जब आप झूठ बेचने की कोशिश करते हैं। कंगना ने कहा कि करण जौहर हर शो में लोगों को रणबीर-आलिया को बेस्ट एक्टर्स और अयान मुखर्जी को जीनियस कहने को मजबूर करते हैं। लोग धीरे-धीरे इस झूठ पर विश्वास करने लगे। करण ने 600 करोड़ रुपए एक ऐसे डायरेक्टर को दिए, जिसने अपने करियर में एक भी अच्छी फिल्म नहीं बनाई। कंगना ने आगे लिखा, अब उनकी गुटबाजी उन्हीं को ही काट रही है। शादी से लेकर होने वाले बेबी का पीआर किया, मीडिया को कंट्रोल किया, केआरके को जेल में डाला, रिव्यू खरीदे और टिकट भी खरीदे। यह लोग सब कुछ बेईमानी से कर सकते हैं, लेकिन एक अच्छी ईमानदार फिल्म नहीं बना सकते हैं। कंगना ने करण जौहर से लेकर अयान मुखर्जी तक पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अयान मुखर्जी को जीनियस बताने वालों को जेल में बंद कर देना चाहिए। इस फिल्म को बनाने में 12 साल लगे। उन्होंने फिल्म के लिए करीब 400 से ज्यादा दिन तक शूट किया। 600 करोड़ रुपए राख हो गए। वहीं कंगना ने एक खबर का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। इसमें बताया गया है कि ब्रह्मास्त्र की वजह से पीवीआर और आइनॉक्स के इनवेस्टर्स को 800 करोड़ रुपए नुकसान हो गया है। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को भारत की 5,019 स्क्रीन्स और ओवरसीज में करीब 3,894 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई। फिल्म के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स स्टार स्टूडियो के पास हैं। 21 फॉक्स स्टार स्टूडियो के टाइटल से फॉक्स हटा दिया गया है। ऐसे में ब्रह्मास्त्र इस स्टूडियो के नए नाम के साथ रिलीज होने वाली पहली फिल्म है। वहीं फिल्म को वॉल्ट डिज्नी स्टूडियो मोशन पिक्चर फिल्म द्वारा वर्ल्डवाइड डिस्ट्रीब्यूट किया गया है।

ऐसी जगह जहां मरने के बाद भी घर वाले कराते हैं शादी, निभाई जाती हैं पूरी रस्में

आप अब तक कई शादियों में गए होंगे लेकिन क्या आपने कभी भूतों की शादी के बारे में सुना है? कर्नाटक में दक्षिण कन्नड़ जिले में यह परंपरा अभी जीवित है, जहां दो बच्चों को मरने के बाद उनकी शादी कराई जाती है। हाल ही में गुरुवार को भी दो मरे हुए बच्चों को शादी के बंधन में बांधा गया। ऐसा उनके माता-पिता उनकी आत्माओं की खुशी के लिए करते हैं। इसे 'प्रेत कल्याणम', या मृतकों का विवाह कहते हैं। जो अभी भी कर्नाटक और केरल के कई हिस्सों में कुछ समुदायों में जीवित है। यूट्यूबर एनी अरुण ने ट्विटर पर चंदप्पा और शोभा के बीच उनकी मृत्यु के 30 साल बाद के मिलन को शेयर किया।यूट्यूबर ने ट्वीट किया, मैं आज एक शादी में शामिल हो रहा हूं। आप पूछ सकते हैं कि यह एक ट्वीट के लायक क्यों है। खैर, दूल्हा वास्तव में मर चुका है और दुल्हन भी मर चुकी है। इनकी मौत लगभग 30 साल पहले हुई थी और आज उनकी शादी है। यह उन लोगों को अजीब लग सकता है जो दक्षिण कन्नड़ की परंपराओं के आदी नहीं हैं। लेकिन यह यहां एक गंभीर परंपरा है। जिन बच्चों की 18 साल की उम्र से पहले मौत हो जाती है, उनकी मृत्यु के कुछ साल बाद उनकी ही जैसी मृत्यु की कहानियों वाले बच्चों से शादी करा दी जाती है। दक्षिण कन्नड़ में यह परंपराएं चलन में हैं क्योंकि लोग मानते हैं कि उनके प्रियजन की आत्मा भटकती है और उन्हें कभी 'मोक्ष' नहीं मिलता है। लोगों का मानना है कि किसी का भी जीवन शादी के बिना अधूरा है और परिवार को भटकती आत्मा से समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान सगाई समारोह से लेकर, शादी तक सभी परंपराएं निभाई जाती हैं। दूल्हा सबसे पहले 'धारे साड़ी' लाता है, जिसे दुल्हन शादी के समय या लग्न या मुहूर्तम में पहनती है। दुल्हन को कपड़े पहनने के लिए भी पर्याप्त समय दिया जाता है और सभी रस्में ऐसी होती हैं जैसे कि बिछड़ी आत्माएं परिवार के सदस्यों में से हों। दूल्हा और दुल्हन को शादी के कपड़े पहनाए जाते हैं और रिश्तेदार उन्हें अनुष्ठान करने के लिए इधर-उधर ले जाते हैं। इस दौरान सात फेरे, मुहूर्त तक, कन्यादान और मंगलसूत्र का बंधन जैसी सभी परंपराओं का पालन होता है।

अजब-गजब | अस्थियों के साथ भी किया जाता ये काम

राजस्थान के इस गांव में नहीं है एक भी मंदिर

हिंदू धर्म में मरने के बाद के शव का अंतिम संस्कार किया जाता है और मृतक का शरीर जलाने के बाद उसकी अस्थियों को किसी भी पवित्र नदी में बहा दिया जाता है। ये रीति-रिवीज और परंपराएं सदियों से चलती आ रही हैं, जो आगे भी ऐसे ही चलती रहेंगी, लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां इंसान के मरने के बाद उसकी अस्थियों के साथ कुछ ऐसा किया जाता है, जिस पर विश्वास करना और उसके बारे में सोचना हमारे लिए नामुमकिन है। आज हम आपको राजस्थान के उस गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां रहने वाले लोग अस्थियों को नदी में बहाने और किसी भी धार्मिक कामों में विश्वास नहीं करते हैं। ये अनोखा गांव राजस्थान के चुरू जिले के तारानगर तहसील में स्थित है, जिसका नाम लांबा की ढाणी की है। इस गांव में मरने के बाद अस्थियों को नदी में बहाने के बजाय उन्हें दोबारा जलाकर राख कर दिया जाता है।

पूरे गांव में केवल 105 घर

राजस्थान के चुरू जिले के ये गांव बेहद ही अनोखा है, यहां रहने वाले भगवान में अपनी आस्था तो रखते हैं, लेकिन इसके बावजूद इस गांव में एक भी मंदिर नहीं है। यहां रहने वाले लोगों का कहना और मानना है कि इंसान धार्मिक कर्मकांडो से बजाए अपनी मेहनत और लगन पर ज्यादा ध्यान दें। जानकारी के अनुसार, लांबा की ढाणी की गांव में केवल 105 घर हैं, जिसमें 10 घर मेघवालों के, 91 घर जाटों के और 4 घर नायकों के हैं।

लोग नहीं रखते पूजा-पाठ में विश्वास

इस गांव के सभी लोग पूजा-पाठ और धार्मिक कामों के बजाए अपने कर्म को महत्व देते हैं। गांव के लोग कहते हैं कि उनका काम ही उनकी पूजा है। शायद इसी वजह से यहां रहने वाले लोग अपने जीवन में काफी सफल हैं। इस गांव के 30 लोग सेना में, 30 लोग पुलिस में, 17 लोग रेलवे में और 30 लोग चिकित्सा क्षेत्र में काम करके अपने इस अनोखे गांव का नाम रोशन कर चुके हैं। इसके अलावा गांव के पांच युवकों ने खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किए हैं।

डोना गांगुली के नृत्य से दर्शक मंत्रमुग्ध

अभिजीत सरकार के उद्बोधन के साथ शुरू हुआ समारोह, स्मारिका का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में रविवार को कालीबाड़ी मंदिर का 159वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर रविंद्रालय प्रेक्षागृह में संगीत संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिसी की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्यांगना डोना गांगुली और पार्श्व गायक राघव चटर्जी ने अपनी कला से दर्शकों का मन मोह लिया।

कालीबाड़ी मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित की गई संगीत संध्या

खचाखच भरे सभागार में डोना ने अपने समूह के साथ बेहतर संयोजन, लाजवाब ड्रेस और काबिलेतारीफ भावभंगिमाओं से रंगी-बिरंगी रोशनी के बीच ऐसा नृत्य किया कि सभी उनके नृत्य में डूब गए। उन्होंने मां काली के आह्वान के साथ महिषासुर मर्दिनी का बेहतर प्रजेंटेशन किया। समारोह का शुभारंभ कालीबाड़ी टेंपल ट्रस्ट के प्रेसीडेंट अभिजीत सरकार के स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। उन्होंने सभी कलाकारों के साथ आए अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष मुक्तिनाथानंद का सम्मान किया। इस मौके पर बोर्ड ऑफ ट्रस्ट के सभापति गौतम भट्टाचार्य, सचिव दीपक भट्टाचार्य, पूर्व आईपीएस एएल बनर्जी के साथ डॉ. शुभाशीष मुंशी भी मौजूद रहे। सभी ने फाउंडेशन डे की स्मारिका का विमोचन किया। इसके बाद मशहूर नृत्यागंना डोना गांगुली ने अपनी नृत्य की भव्यता से लोगों को रूबरू कराया। गुरु केलुचरण महापात्र की प्रमुख शिष्या डोना गांगुली ने अपने गुरु से जो कुछ भी सीखा उसको मंच पर जीवंत कर दिया।

लखनऊ मेरे घर जैसा: डोना

प्रख्यात नृत्यांगना और क्रिकेटर सौरभ गांगुली की पत्नी डोना गांगुली ने बताया कि लखनऊ में कई बार कार्यक्रम प्रस्तुत करने का सौभाग्य मिला है। यह मेरे घर जैसा है। यहां के दर्शकों का संगीत के प्रति बहुत ही लगाव और अच्छी समझ है।

कोरोना काल में की लोगों की मदद: अभिजीत

अभिजीत सरकार ने कहा कि मंदिर में पूजा-पाठ के साथ विभिन्न सामाजिक कार्य किए जाते हैं। कोरोना महामारी के दौरान हम लोगों ने सामाजिक और राष्ट्रीय कार्यों में अपनी सहभागिता दी। टीकाकरण के साथ गरीबों की मदद की गई और यह चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि डोना गांगुली का यहां आना बेहद सुखद रहा। वे अंतरराष्ट्रीय ख्यात प्राप्त कलाकार हैं।

शिंदे-उद्धव गुट के सदस्यों में हाथापाई, पांच गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और शिवसेना प्रमुख उद्धव गुट की लड़ाई अब हाथापाई पर उतर आई है। रविवार को शिंदे गुट के एक विधायक समेत 30 लोगों पर मामले दर्ज हुए। वहीं, पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

» तीस के खिलाफ केस दर्ज, पुलिस कर रही जांच

मुंबई के न्यू प्रभादेवी इलाके में शिंदे गुट के सदस्य संतोष तलवने पर कथित तौर पर तीस लोगों ने हमला कर दिया। दोनों गुटों के बीच दादर इलाके में झड़प होने की जानकारी सामने आई थी। इसके चलते पुलिस ने उद्धव गुट के समर्थकों के खिलाफ दंगा का मामला दर्ज किया है। शिंदे कैंप के विधायक सदा सर्वांकर समेत 30 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा सर्वांकर और उनके समर्थकों के खिलाफ दंगा करने और आर्म्स एक्ट को लेकर एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसकी जानकारी पुलिस अधिकारी ने दी है। शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने शिंदे कैंप के विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विधायक पर फायरिंग के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गणेश विसर्जन के बाद दोनों समूहों के कार्यकर्ताओं में बहस हो गई। सावंत ने दूसरे गुट को गाली देने का आरोप लगाया।

बीस लाख नौकरी के वादे पर बोले तेजस्वी

जिन्हें विश्वास नहीं वे कुछ दिन रुकें, फिर देखें

» जल्द सोनिया से मुलाकात करेंगे लालू और नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि 20 लाख रोजगार के दावे को लेकर सरकार पूर्ण रूप से तैयार है और अपने वादे पर कायम है। आगामी 2024 लोक सभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट करने के लिए तेजस्वी के पिता लालू यादव और नीतीश कुमार सोनिया गांधी से एकसाथ मुलाकात करेंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने 20 लाख रोजगार के वादे पर कायम है। उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई क्या कह रहा है, जिनको विश्वास नहीं हो रहा है वे कुछ दिन रुकें फिर देखें कि सरकार 20 लाख रोजगार के वादे को पूरा करेगी। इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और यह अवश्य किया जाएगा। आगामी लोक सभा चुनाव 2024 में विपक्षी एकजुटता की कवायद में जुटे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लालू यादव के साथ सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। बीते दिनों नीतीश कुमार दिल्ली में कई वरिष्ठ विपक्षी नेताओं से इस बाबत मुलाकात कर चुके हैं। उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बताया कि उनके पिता लालू प्रसाद यादव और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के मुद्दे पर सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे।

मंत्री लेसी सिंह ने अपनी ही पार्टी की विधायक को भेजा मानहानि का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जदयू की दो महिला नेत्रियों के बीच जंग जारी है। मामला बिहार सरकार की मंत्री लेसी सिंह और जेडीयू की महिला विधायक बीमा भारती के तकरार से जुड़ा है। बीमा भारती के आरोपों पर लेसी सिंह ने कानूनी नोटिस भेजा है।

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने जेडीयू विधायक बीमा भारती पर मानहानि का केस किया है। साथ ही मंत्री ने बीमा भारती को 5 करोड़ की मानहानि का नोटिस भिजवाया है। नोटिस से बेखबर बीमा भारती ने एक बार फिर लेसी सिंह को मंत्री पद से हटाने की मांग की है। बीमा भारती रुपौली से जेडीयू की विधायक हैं। बीमा भारती ने कहा कि मंत्री लेसी सिंह पर मर्डर का आरोप है, ऐसे में केस डायवर्ट करने को लेकर मंत्री ने नोटिस भिजवाया है। बीमा भारती और लेसी सिंह के बीच ये अदावत तब शुरू हुई जब बिहार में नई सरकार का गठन हुआ और जेडीयू कोटे से लेसी सिंह को नीतीश मंत्रिमंडल में मंत्री बना दिया गया। इससे नाराज बीमा भारती ने लेसी सिंह पर कई गंभीर आरोप लगा दिए। अब उन्हीं आरोपों को लेकर लेसी सिंह ने बीमा भारती को मानहानि का नोटिस भेजा है।

राजस्थान: मायावती के भतीजे की मौजूदगी में हंगामा, कई सदस्यों का सामूहिक इस्तीफा

» आक्रोशित नेताओं को बाउंसरों की मदद से किया गया बाहर

» विधान सभा चुनाव से पहले बसपा को लगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में विधान सभा चुनाव की तैयारी में जुटी बसपा को झटका लगा है। बसपा प्रदेश अध्यक्ष की कार्यशैली पर सवाल उठा दर्जन भर जिला कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना इस्तीफा दे दिया है। मायावती के भतीजे आकाश आनंद की मौजूदगी में प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में जमकर हंगामा हुआ। आक्रोशित बसपा नेताओं को बाउंसरों के मदद से पार्टी कार्यालय से बाहर निकाला गया।

रविवार को जयपुर में बसपा की अहम मीटिंग हुई। मीटिंग में प्रदेश प्रभारी बसपा रामजी गौतम और बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए दर्जन भर जिला कार्यकारिणी सदस्यों ने प्रदेश प्रभारी रामजी गौतम को सामूहिक इस्तीफा सौंप दिया है। हालांकि गौतम का कहना है कि इन नेताओं को पहले ही पदों से हटा दिया गया था। पूरे मामले को लेकर रविवार को प्रदेश कार्यालय में कार्यकारिणी की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। राजसंमद, झालावाड़, जोधपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ, डूंगरपुर, सिरोही, धौलपुर, जयपुर, भीलवाड़ा, भरतपुर और उदयपुर जिलों से आए त्यागपत्रों में जिला अध्यक्षों समेत विभिन्न कार्यकारिणी सदस्यों के नाम शामिल है। त्यागपत्र देने वाले नेताओं का कहना है कि उन्हें कभी किसी पद से नहीं हटाया गया है। कथित इस्तीफों में नेताओं ने बसपा प्रदेश अध्यक्ष पर पंचायत चुनावों में टिकट के बदले पैसा मांगने, मनमानी से टिकट देने और वरिष्ठ नेताओं भेदभाव करने के आरोप लगाए। इस्तीफा देने वालों में से एक जोधपुर के ग्रामीण के नेता ढलाराम लखानी ने बताया कि उन्हें पद से हटाने की बात पार्टी ने नहीं बताई। वह राष्ट्रीय संयोजक को इस्तीफा देने पहुंचे थे।

दिल्ली दरबार के आगे कभी नहीं झुकेंगे : शरद पवार

» विपक्षी दलों को साथ आने का किया आह्वान

» लोकसभा चुनाव में राकांपा निभाएगी अहम भूमिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने दो टूक कहा कि उनकी पार्टी दिल्ली में मौजूद शासकों के सामने कभी नहीं झुकेगी। उन्होंने भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए अन्य सभी दलों से एक बार फिर मिलकर काम करने का आह्वान किया। वे दिल्ली में आयोजित राकांपा के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

पवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी कभी दिल्ली के शासकों के सामने नहीं झुके और राकांपा उस रास्ते पर ही चलती आई है और उसने खुद को एक प्रगतिशील राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित किया है। पवार की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कई विपक्षी नेता सीबीआई, ईडी जैसी जांच एजेंसियों का सामना कर रहे हैं। राकांपा नेता नवाब मलिक और अनिल देशमुख न्यायिक हिरासत में हैं। शरद पवार ने कहा कि केंद्र सरकार सीबीआई और ईडी का गलत इस्तेमाल कर रही है। विरोधी नेताओं को झूठे केसों में फंसा रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि हमें बड़ी लड़ाई लड़नी है। प्रजातांत्रिक तरीके से मोदी सरकार को चलता करना है। इस दौरान पवार ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत फैलाने के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया। उधर पार्टी महासचिव प्रफुल पटेल ने कहा कि शरद पवार प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों को एकजुट करने में पवार अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगामी आम चुनाव में राकांपा बड़ी भूमिका में होगी। राकांपा महासचिव प्रफुल्ल पटेल आगे कहा कि हमारी पार्टी आगामी आम चुनावों में अहम भूमिका निभाएगी। लेकिन पार्टी का रुख एकदम स्पष्ट है कि विपक्ष को एकजुट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा हम भी यूपीए सरकार का हिस्सा थे इसलिए कांग्रेस से हमारी कोई लड़ाई नहीं है।

गुजरात में भाजपा की मुस्लिम वोटों पर नजर

» पार्टी कैडर को अल्पसंख्यक वोट सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने गुजरात में मुसलमानों को जोड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसके तहत संबंधित समुदाय की अच्छी-खासी संख्या वाले विधानसभा क्षेत्रों में कम से कम 100 अल्पसंख्यक मित्र बनाए जाएंगे। पार्टी नेता जमाल सिद्दीकी ने रविवार को यह बात कही। राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रमुख ने कहा कि इस तरह के विधानसभा क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों, खासकर मुस्लिमों को पार्टी की बूथ समितियों में भी शामिल किया जाएगा। सिद्दीकी ने कहा, भाजपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि के कम से कम 100 मुसलमानों को पार्टी से सहानुभूति रखने वालों के रूप में जोड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया है। वे आध्यात्मिक नेता, पेशेवर, उद्यमी या फिर सरकार में काम करने वाले भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी के ऐसे प्रत्येक अल्पसंख्यक मित्र को अपने आसपास से भाजपा के लिए 50 अल्पसंख्यक वोट सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। सिद्दीकी ने कहा कि अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सदस्यों को 109 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की बूथ समितियों में शामिल किया जाएगा, जहां मुस्लिम आबादी अच्छी-खासी है और उनके 25,000 से एक लाख तक वोट हैं। भाजपा की यह पहल ऐसे समय में हुई है, जब गुजरात में बिलकिस बानो के साथ दुष्कर्म और उनके परिवार के सदस्यों की हत्या के मामले में सजा काट रहे 11 लोगों को रिहाई की वजह से पार्टी को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

फोटो: 4पीएम

धरना राजधानी लखनऊ के ईको गार्डेन में उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर धरना दिया। यूनियन के लोगों ने कहा, सरकार महंगाई के हिसाब से हमारा वेतन बढ़ाए।

शराब कारोबार में यूपी की लंबी छलांग

» गोवा और आंध्र प्रदेश पीछे छूटे, बढ़ा सरकारी खजाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी ने शराब के कारोबार में ऊंची छलांग लगाई है। शराब निर्यात में देश के 10 प्रमुख राज्यों में यूपी पांचवें से तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। आंध्र प्रदेश और गोवा पीछे छूट गए हैं। पिछले 5 सालों में नौ हजार करोड़ रुपए का निवेश हुआ है और 60 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। शराब उत्पादन दोगुने से अधिक हुआ है और इस साल 170 करोड़ बल्क लीटर से अधिक होने की संभावना है।

शराब उत्पादन भी दोगुने से अधिक हुआ है। बता दें कि यूपी में पिछले 5 साल सालों में पांच हजार करोड़ के निवेश से 19 डिस्टलरियां लग चुकी हैं। इससे अल्कोहल उत्पादन क्षमता 170 करोड़ लीटर से बढ़कर 282 करोड़ बल्क लीटर हो गया है। चार हजार करोड़ से अधिक के निवेश से लगने वाले 18 और डिस्टलरी प्लांट एक से तीन वर्ष में उत्पादन शुरू कर देंगे। प्रदेश से वित्त वर्ष 2021-22 में 167 करोड़ से अधिक मूल्य की शराब का और 3,537 करोड़ मूल्य के एथनाल का निर्यात हुआ है। जबकि पांच वर्ष पहले निर्यात कम होता था। अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए व्यापक स्तर पर सुधारात्मक कार्य किए गए हैं, जिससे प्रदेश से डिस्टलरी में निवेश और शराब का निर्यात बढ़ा है। अब प्रदेश अल्कोहल और एथनाल उत्पादन में देश में पहले नंबर पर है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द डिस्टलियों का निर्माण पूरा कराकर उत्पादन शुरू कराएं, ताकि शराब निर्यात में भी प्रदेश नंबर एक हो। प्रदेश सरकार की उद्योग नीति, चहुंमुखी विकास, ला एंड आर्डर के कारण अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कंपनियों ने प्रदेश में निवेश कर शराब का उत्पादन शुरू किया है, जिसमें परनाड रिकार्ड, डियाजियो, यूएसएस, विलियम ग्रांट, एबीडी और अल्कोब्रू प्रमुख है।

युवक पर हमला करने वाले पिटबुल को तलाश रहा निगम

मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज लापता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोमतीनगर में शनिवार देर रात जिस पिटबुल ने युवक पर हमला कर उसे जख्मी किया था, नगर निगम की टीम पुलिस के साथ मिलकर उसकी तलाश कर रही है। पीड़ित युवक भी कुत्ते के मालिक को नहीं जानता। ऐसे में उसने रविवार को गोमतीनगर थाने में अज्ञात पिटबुल मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

विरामखंड-दो गोमतीनगर निवासी प्रांचल मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि शनिवार रात वह अपनी मां के साथ घर के पास ही साइकिल ट्रैक पर टहल रहे थे। इसी दौरान एक पिटबुल प्रजाति के कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया। उनका कहना है कि पिटबुल उनकी मां की तरफ लपका था, लेकिन वह उनको बचाने के लिए आगे आ गए तो उन पर टूट पड़ा। प्रांचल का कहना है कि पिटबुल कुत्ते को दो लोग टहला रहे थे, जिनमें एक 10-12 साल का लड़का और दूसरा 18-20 साल का लग रहा था। जख्मी होने के बाद सिविल अस्पताल में उनका उपचार किया गया। अपर नगर आयुक्त पशु कल्याण डॉ. अरविंद राव का कहना है कि साल 2001 में ही पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्रतिबंध लग गया कि आवारा कुत्तों को पकड़कर नहीं रख सकते। यही नियम बंदरों को लेकर भी है। ऐसे में ये दोनों प्रोजक्ट अटक गए। पशु चिकित्साधिकारी नगर निगम के डॉ. अभिनव वर्मा का कहना है कि मामला मेरी जानकारी में आया है। कुत्ता किसका है और वह कहां रहता है, इसका पता करेंगे।

दो महीने में पिटबुल के हमले की दूसरी घटना

दो महीने में पिटबुल के हमले की यह दूसरी घटना है। इससे पहले जुलाई में पिटबुल ने कैसरबाग इलाके में अपनी ही मालकिन पर हमला कर दिया था, जिसमें उनकी मौत गई थी। उसके बाद नगर निगम की टीम पुलिस की मदद से पिटबुल को पकड़कर जरहरा श्वान प्रजनन नियंत्रण केंद्र लाई थी। जहां उसे 15 दिन तक रखा गया था। बाद में उसके मालिक को सौंप दी थी। शहर में इस समय अलग-अलग इलाकों में 25 लोगों ने पिटबुल पाल रखे हैं। नगर निगम के रिकॉर्ड के मुताबिक शहर में करीब 6000 लोगों ने विभिन्न नस्लों के कुत्ते पाल रखे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।